नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

# देश में नक्सलवाद समाप्ति की ओर

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से आई ताजा खबर ने देश के नक्सलवाद के खिलाफ संघर्ष में एक नई ऊर्जा और उम्मीद जगा दी है. मल्लाजोलु वेणुगोपाल राव, जो भूपति नाम से मशहूर हैं, और माओवादी संगठन के शीर्ष नेताओं में से एक थे, ने अपने 60 साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया है. वेणुगोपाल राव नक्सली संगठन का पोलित ब्यूरो सदस्य और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमिटी के प्रमुख थे. उनके खिलाफ हत्या, हमला, आगजनी समेत कई संगीन मामले दर्ज हैं.

खास बात यह है कि वे 2010 के दंतेवाड़ा सीआरपीएफ हमला जैसे बड़े हमलों की साजिश रचने में भी शामिल थे. उनका आत्मसमर्पण न केवल सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता है बल्कि यह इस हिंसक आंदोलन के खिलाफ सार्थक कदम भी दर्शाता है.इस आत्मसमर्पण ने साफ कर दिया है कि नक्सलवाद के खिलाफ चल रही सरकार और सुरक्षा बलों की मुहिम रंग ला रही है. छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से भी कई नक्सली हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं. यह बदलाव सुरक्षा बलों की तत्परता, बेहतर रणनीति और स्थानीय जनता के सहयोग से संभव हो पाया है. हिंसा से थके कई लोगों ने विकास और शांति की राह अपना ली है, जो यह दर्शाता है कि नक्सलवाद का जाल धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है.केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अगस्त 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का बड़ा संकल्प लिया है. यह लक्ष्य जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही आवश्यक भी है.

नक्सलवाद केवल हथियार से नहीं, बल्कि जड़ों से खत्म किया जाना चाहिए. यही वजह है कि सरकार ने नक्सल प्रभावित इलाकों में केवल सुरक्षा उपाय ही नहीं, बल्कि विकास, शिक्षा, रोज़गार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी पहुंचाने में जोर दिया है. जब लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा और वे मुख्यधारा का हिस्सा बनेंगे, तभी यह हिंसक आंदोलन खत्म हो पाएगा. छत्तीसगढ़ और अन्य इलाके जहां नक्सलवाद ने लंबे समय तक कब्जा रखा था, वहां प्रदेश व केंद्र सरकार ने विकास के कार्यों को तेज किया है. बेहतर सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और रोजगार के अवसरों ने स्थानीय लोगों के मन में बड़ा बदलाव किया है. यह विकास ही नक्सलवाद के खिलाफ सबसे बड़ी ढाल बन चुका है. बेहतर प्रशासन और जन-सहभागिता के कारण नक्सली नेता भी अब हिंसा को छोड़ कर संवाद और शांति को प्राथमिकता दे रहे हैं.

वेणुगोपाल राव जैसे बड़े नेताओं का आत्मसमर्पण यह दर्शाता है कि नक्सलवादी आंदोलन अब शीघ्र ही अपने अंत की ओर है.सरकार का यह प्रयास कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का पुनर्वास किया जाए और उन्हें सामाजिक जीवन में फिर से शामिल किया जाए, अत्यंत महत्वपूर्ण है. इससे न केवल इनके जीवन में सुधार होगा, बल्कि समाज में भी स्थायी शांति बनी रहेगी. नक्सलता की जड़ों को काटना तभी संभव होगा जब उपेक्षित वर्गों को समान अधिकार और विकास मिले. इस प्रकार, मल्लाजोलु वेणुगोपाल राव जैसे नक्सली नेताओं का आत्मसमर्पण देश में नक्सलवाद की समाप्ति के स्पष्ट संकेत हैं. यह देश की सुरक्षा और विकास यात्रा में एक अहम मोड़ है. अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो लक्ष्य रखा है, वो इस प्रकार के सकारात्मक घटनाक्रमों से बहुत हद तक पूरा हो रहा है.

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से आई यह खबर हमें विश्वास दिलाती है कि वह दिन दूर नहीं जब पूरा देश नक्सलवाद जैसी चुनौती से मुक्त होकर शांति और समृद्धि का अनुभव करेगा. यह व्यापक और सामूहिक प्रयास हमें उस देश की ओर ले जा रहा है, जहां हर नागरिक को समान अवसर और सुरक्षा मिलेगी, और नक्सलवाद के अंधेरे से भारत हमेशा के लिए बाहर आएगा.

# पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

श्री प्रतापराव जाधव
केंद्रीय आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री

> आयुर्वेद का मूल दर्शन - शरीर और मन, मानव और प्रकृति, उपभोग और संरक्षण के बीच संतुलन - समकालीन चुनौतियों के लिए प्रासंगिक समाधान प्रस्तुत करता है. जहाँ एक ओर दुनिया जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है, वहीं आयुर्वेद एक ऐसी रूपरेखा प्रदान करता है, जो व्यक्तिगत और पृथ्वी के स्वास्थ्य, दोनों का समाधान करने में सक्षम है. भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है. यह दृष्टिकोण निवारक, किफायती, समावेशी और स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पर ज़ोर देता है. आयुर्वेद न केवल एक चिकित्सा प्रणाली, बल्कि एक कल्याण अभियान का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक ज्ञान को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ता है.

**विश्व** स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है. विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणाली अपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है. तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है.

व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं. विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10 प्रतिशत -20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा. चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है. यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं.

**भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन** -भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है. 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है. विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15 के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है. भारत अब 150 से ज़्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता है और आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है. यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95 प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96 प्रतिशत. पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थी और आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है.

**वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार**- भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है. ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं. आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुँच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है. भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक विभागों की स्थापना की है.

भारत में डब्लूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है. पारंपरिक चिकित्सा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के एकीकरण पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का हालिया प्रकाशन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे उन्नत प्रौद्योगिकियां नैदानिक सत्यापन को मजबूत कर सकती हैं, बड़े डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकती हैं और आयुर्वेद व संबंधित प्रणालियों में पूर्वानुमान देखभाल प्रणाली को बेहतर बना सकती हैं.

## ग्वालियर चंबल डायरी

# शुकर है जिससे डरते थे वह नहीं हुआ क्योंकि ये शहर है अमन का...

हरीश दुबे

**शुकर** है जिससे डरते थे वह नहीं हुआ और सब कुछ अमन चैन से निपट गया, शहर में हर चीज ठिकाने पर है. पुलिस की सख्ती ने तो असर दिखाया ही, अम्बेडकर मूर्ति विवाद को लेकर आंदोलन कर रहे भीम आर्मी और दीगर संगठनों द्वारा ऐन वक्त पर 15 अक्टूबर का कॉल वापस लेने से भी माहौल बदल गया और तनाव घुली फ़िज़ाँ में कुछ सुकून महसूस किया गया. तीन हजार जवानों की तैनाती और पचास जगह नाकेबंदी की दम पर 15 अक्टूबर का चुनौतीपूर्ण दिन तो शांति से बीत गया लेकिन इसे विवादों के समापन के बजाए युद्धविराम कहना ज्यादा मुफीद होगा, वजह यह कि हाईकोर्ट में अंबेडकर प्रतिमा लगाने के मसले पर आमने सामने आए दोनों पक्ष अभी भी अपने अपने नजरिए पर डटे हैं और मोर्चाबंदी जस की तस है. विचार से शुरू हुए इस विवाद ने अब खालिस जातिगत तेवर अपना लिए हैं.

अंबेडकर के खिलाफ ऐतराज भरे कमेंट्स करने के बाद दलित संगठनों के निशाने पर आए हाईकोर्ट बार के पूर्व अध्यक्ष अनिल मिश्रा अपने खिलाफ केस दर्ज होने के बाद खुद ही गिरफ्तारी देने पुलिस के पास पहुंचे तो लेकिन जांच चालू आहे, कहकर पुलिस ने थाने की चौखट पर आए आरोपी को गिरफ्तार करने से मना कर दिया. दरअसल, दो अप्रैल 2018 की जातीय हिंसा के बाद पुलिस ऐसे मामलों में फूंक फूंक कर कदम रखती आई है ताकि ये शहर अमन का बना रहे. लेकिन यह भी सच है कि विवादों को लंबे समय तक नहीं खींचा जा सकता है, मतभेद अब मनभेद में बदल रहे है. हाईकोर्ट कैंपस से अंबेडकर प्रतिमा लगे अथवा नहीं और संविधान निर्माण में सर बीएन राऊ के योगदान को कितना स्वीकार्य या प्रतिष्ठा दी जाए, इन सवालों का जवाब शहर के ही लोगों को मिल बैठकर जल्द से जल्द निकाल लेना चाहिए. शायद ऐसे ही दिनों के लिए हबीब अमरोहवी ने लिखा है...बेहतर दिनों की आस लगाते हुए हबीब, हम बेहतरीन दिन भी गँवाते चले गए.

## सिटिंग एमएलए को पसंद नही पूर्व विधायक कहलवाना

डॉ. सतीश सिकरवार दूसरी दफा ग्वालियर पूर्व विधानसभा सीट से विधायक बने हैं. विधानसभा सीट का नाम उनके लिए मुसीबत बन गया है. उन्हें इस बात का मलाल है कि वे जब अपनी विधानसभा सीट के नाम के उल्लेख के साथ परिचय देते हैं या चंबल से बाहर टोल नाकों पर विधानसभा से मिली आईडी दिखाते हैं तो उनके नाम के पीछे ग्वालियर पूर्व लिखा देख उन्हें पूर्व विधायक मान लिया जाता है, मजबूरी में उन्हें तमाम स्पष्टीकरण देना पड़ते हैं.

## अनूप को पार्टी लाइन के उलट बोलने की चिंता नहीं

एक दौर था जब अनूप मिश्रा भाजपा की राजनीति में ग्वालियर चंबल इलाके में एक बड़े छत्रप की हैसियत रखते थे. कहा भी जाता है कि अटलजी के दौर में उनके लिए विधानसभा सीट पार्टी नहीं चुनती थी बल्कि वे खुद अपने लिए सीट चुनते थे. गिर्द से ऊब गए तो ग्वालियर दक्षिण आ गए और यहां भी उकता गए तो ग्वालियर पूर्व में ठिकाना बना लिया. विधायकी से जी भर गया तो मुरैना से सांसदी करने लगे. हालांकि बेलागांव कांड के चलते मंत्रीपद से इस्तीफा देने के बाद अटलजी के जीवनकाल में ही उनकी सियासत हाशिए पर सिमटने लगी थी, चुनावी पुनर्जीवन के लिए लगातार दो बार भितरवार से ट्राई किया लेकिन पहली बार छह हजार तो दूसरी बार बारह हजार के अंतर से नाकाम रहे. यह सर्वविदित है कि जमीनी नेता की छवि रखने वाले अनूप पिछले चुनाव में ग्वालियर पूर्व लौटना चाहते थे लेकिन पार्टी ने आस पूरी नहीं की. अब जब तब अनूप की अपनी ही पार्टी से नाराजगी की अटकलें लगती रही हैं लेकिन वे अस्वस्थता के बावजूद पार्टी के कार्यक्रमों में नियमित हाजिरी भरते रहे, इसलिए ये अटकलें स्वतः ही खारिज हो गई. बहरहाल, यहां अनूप की व्यथा कथा इसलिए कि अब वाकई में उनके तेवर बदले बदले नजर आ रहे हैं. अभी दो रोज पहले उन्होंने सार्वजनिक मंच से भाषण में जातिगत जनगणना का यह कहते हुए विरोध किया कि मुझे मालूम है कि यह पार्टी लाइन के विपरीत है लेकिन अपने मन की बात कहने से नहीं हिचकेंगे, अनूप ने न सिर्फ अंबेडकर विरोधी बयान देने वाले एडवोकेट अनिल मिश्रा के बयान का अपनी असहमति के साथ जिक्र किया, दो अप्रैल के दंगों को याद किया बल्कि साढ़े तीन दशक पूर्व आरक्षण के विरोध में आत्मदाह करने वाले ग्वालियर के अखिलेश पाण्डे को भी सहानुभूति के साथ याद किया. सूत्र बताते है कि अनूप अब राजनीति से इतर ब्राह्मण नेता की पुरानी छवि को पुनर्जीवित करने की कवायद में हैं.

# लापता लेडीज को इतने पुरस्कार क्यों?

**भारत** कहानियों का देश रहा है. एक छोटे से बीज से विशाल वटवृक्ष बन जाता है, तो एक छोटे से सूत्र से कहानी बनने में क्या देर लगती है! हमारी रस्मों, रीति-रिवाजों पर बनी फिल्म विदेशियों की समझ में नहीं आतीं, इसीलिए वह ऑस्कर अवॉर्ड से वंचित रह जाती हैं. जब ग्रामीण भारत की विडंबनाओं और एक नारी के जीवट के संघर्ष को दशनि वाली मदर इंडिया जैसी उच्च कोटि की फिल्म ऑस्कर में भेजी गई, तो ज्यूरी के नादान विदेशी सदस्यों की राय थी कि फिल्म में स्वाभिमानी नरगिस ने व्यर्थ ही इतने दुख उठाए. जब उसका पति (राजकुमार) अपाहिज होने के बाद उसे छोड़कर चला गया था, तो अपने गुजारे और 2 बेटों के पालन-पोषण के लिए उसे बूढ़े महाजन सुक्खीलाला (कन्हैयालाल) से शादी कर लेनी चाहिए थी. विदेशी ज्यूरी क्या जाने कि भारत में पतिव्रता नारी का अर्थ क्या होता है! इसी तरह फिल्म लापता लेडीज को ऑस्कर अवॉर्ड इसलिए नहीं मिला क्योंकि विदेशी निर्णायकों को ग्रामीण भारत की घूंघट प्रथा की जानकारी नहीं थी. यह बात अलग है कि इस कुप्रथा को खत्म किया जाना चाहिए क्योंकि इससे कितनी मुसीबत पैदा होती है, यह फिल्म में प्रभावी तरीके से दर्शाया गया है. घूंघट की वजह से रेलवे प्लेटफार्म पर गाड़ी का इंतजार कर रही 2 बारातों की दुल्हनें बदल जाती हैं. इस तरह की खबर कभी नकभी लोगों ने पढ़ी होगी लेकिन इसे फिल्म का रूप देकर सशक्त तरीके से पेश किया गया. तभी तो लापता लेडीज को बेस्ट फिल्म,बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के अलावा बेस्ट स्क्रीन प्ले, डॉयलाग, कास्ट्यूम के अवॉर्ड मिले. लोगों को लगा कि यह अवॉर्ड कुछ ज्यादा ही हो गए लेकिन इसे ऑस्कर न मिलने की भरपाई माना जा सकता है. फिल्म में रोचक तरीके से बताया गया है कि कैसे एक दुल्हन गलत ससुराल पहुंच जाती है जहां वह अपनी कृषि क्षेत्र की प्रतिभा से लोगों का स्नेह प्राप्त करती है और दूसरी दुल्हन (फूल) को रेल्वे स्टेशन पर एक चाय बेचने वाली बुढ़िया पनाह देती है. -चंद्रमोहन द्विवेदी

*घूंघट कुप्रथा पर बनी यह फिल्म समाज सुधार का संदेश दे जाती है. इतने पर भी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के जरिए लापता हो जाने वाली महिलाओं की समस्या काफी गंभीर है जिसके प्रति पुलिस को और अधिक सजग होना पड़ेगा.*

## निशानेबाज

# केजरीवाल को शीशमहल नहीं फला अब मिल गया उन्हें बड़ा बंगला

**प**ड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, सोहराब मोदी की पुरानी फिल्म का नाम था शीशमहल उस फिल्म में जरूरतमंदों की मदद करने की जरूरत से ज्यादा उदारता दिखाने के कारण फिल्म के नायक पर कर्ज का बोझ बढ़ जाता है. उनके शीशमहल पर कर्ज देने वाला साहूकार कब्जा कर लेता है.

हमने कहा, पुरानी फिल्म की कहानी भूल जाइए. शीशमहल कभी किसी को नहीं फला. मकान या बंगले का नाम शीशमहल रखोगे तो पछताओगे. फिल्म वक्त में राजकुमार का डायलॉग था- चिनाय सेठ, जिन लोगों के घर शीशे के होते हैं, वह दूसरों पर पत्थर नहीं फेंका करते!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आम आदमी पार्टी के प्रमुख व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जब अपने रहने के लिए आलीशान शीशमहल बनवाया तो उनकी बदनसीबी शुरू हो गई. उन्हें जेल जाने की नौवत आई और शराब नीति को लेकर उन पर आरोप लगे. देश की राजनीति में अपनी ईमानदारी और सादगी का डंका बजाकर सामने आए केजरीवाल की साख बुरी तरह गिर गई. छोटे मकान में रहने और छोटी कार का इस्तेमाल करने का उनका दावा खोखला निकला. शीशमहल की शान और सजावट ने उनका भंडाफोड़ कर दिया. भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उपजे केजरीवाल के सहयोगी मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को भी जेल की हवा खानी पड़ी. राजनीति की कोठरी की कालिख से कोई नहीं बच पाया.

हमने कहा, केजरीवाल के शीशमहल में रहने जाने से दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने मना कर दिया. केजरीवाल भी जमानत पर छूटने के बाद से अपनी पार्टी आप के एक सांसद के घर में फिरोजशाह कोटला रोड पर रहते हैं. पंजाब में केजरीवाल की पार्टी की सरकार है इतने पर भी केंद्र सरकार उन्हें दर्जा 8 का बड़ा बंगला नहीं दे रही थी. इसके लिए केजरीवाल हाईकोर्ट में गए. अदालत ने सरकार को फटकार सुनाई और अब सरकार को मजबूर होकर दिल्ली के खान मार्केट के सामने लोदी इस्टेट में केजरीवाल को बड़ा बंगला देना पड़ा. अब उम्मीद कीजिए कि केजरीवाल के अच्छे दिन आएंगे. देखना होगा कि क्या उन्हें अन्ना हजारे फिर से आशीर्वाद देंगे?

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

## शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

### CROSS WORD 12052

- डॉ. सागर खादीवाला

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | | ■ | 4 | 5 |
| 6 | | ■ | | ■ | 7 | | |
| | ■ | 8 | | 9 | | ■ | |
| | ■ | | ■ | 10 | | | |
| ■ | 11 | | | ■ | 12 | 13 | |
| 14 | | | ■ | 15 | | | 16 |
| 17 | | ■ | 18 | | | ■ | |
| | ■ | 19 | | | ■ | 20 | |

**बाएं से दाएं**
1. अच्छी तरह स्वीकार करना, धारण करना (सं.) 4. इस समय, अभी (उर्दू) 6. लहू, रुधिर (सं) 7. घेरा, दायरा 8. रणवाद्य, युद्ध का नगाड़ा 10. गुरुमंत्र, यजन, पवित्र मंत्रोपदेश 11. ध्वनि, बोल, स्वर, पुकार (उर्दू) 12. मीठी और चरपरी जड़ वाला एक पौधा 14. कवि, शेर कहने वाला (उर्दू) 15. हर्षध्वनि निकालना 17. सफेद, श्वेत, उज्ज्वल (सं.) 18. बोलने वाला 19. आवश्यक साधन जुड़ाना 20. तलवार आदि रखने का कोष या खोल (उर्दू)

**ऊपर से नीचे**
1. प्रकाश के सामने आने वाली किसी वस्तु की छाया, प्रतिछाया, छायाकृति 2. खाली, शून्य (सं.) 3. छीन लेना, ले लेना, चुरा लेना, मिटाना (सं.) 4. शत्रु (सं.) 5. बहरापन 7. परीक्षा संबंधी 8. इतवार, आदित्यवार (सं.) 9. भेदने वाला 11. कुरान का वाक्य, रैक्टेंगिल 13. रेखा, पगडंडी, प्रथा 14. शासन करने वाली 15.

**Solution 12051**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | नु | प | म | ■ | पा | र | स |
| क | स | र | त | ■ | ल | स | ना |
| स | खा | ■ | दा | ग | ना | ■ | त |
| र | ■ | अ | न | ल | ■ | पा | न |
| ■ | स | ज्ञा | ■ | ब | द | रा | ■ |
| म | चा | न | ■ | ल | ला | ■ | स |
| वा | र | ■ | ह | ■ | ल | ह | र |
| द | ■ | ग | ल | त | ■ | द | ल |

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

### आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में सफलता मिलेगी, पद का लाभ प्राप्त होगा, व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, धार्मिक कार्यो में संलग्नता रहेगी, वर्ष के अन्त में शत्रु कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, किन्तु निवारण भी होगा, व्यर्थ के वाद विवाद एवं व्यय से बचने का प्रयास करें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ होगा, सामाजिक कार्यो में सफलता मिलेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु कष्ट होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मांगलिक कार्यो में खर्च होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को उन्नति के योग हैं, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा,मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यश और सम्मान में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के लिये पुरूषार्थ का लाभ होगा.

### आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चतुर और भाग्यवान होगा, दृढ निश्चयी निडर होता है, शिक्षा में अग्रणी होगा,गुरूजनों, माता पिता के प्रति श्रद्धा रखेगा.

### उदयकालीन ग्रह चाल

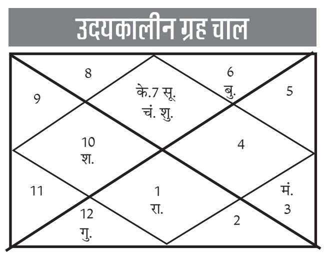


### पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2082 कार्तिक कृष्ण दशमीं गुरूवासरे दिन 1/46, आश्लेषा नक्षत्रे शाम 4/36, साध्य योगे प्रातः 7/52 तदुपरि शुभ योगे रातअंत 6/14, विष्टि करणे सू.उ. 6/16, सू.अ. 5/44, चन्द्रचार कर्क शाम 4/36 से सिंह, शु.रा. 4 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

### व्यापार भविष्य

कार्तिक कृष्ण दशमीं को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से चांदी और पीले रंग की वस्तुओं में तेजी होगी, हल्दी, गुड, खांड, सोना, चांदी, तेल में, तेजी होकर मंदी के झटके लगेंगे. वायदा विचार आज 2 बजकर 9 मिनिट से 15मिनिट के अंदर रूख पर व्यापार लाभप्रद रहेगा. भाग्यांक 2595 है.

**मेष**- किसी नये संबंध के प्रति मन में झुकाव होगा, संयम रखकर निर्णय लें, जीवनसाथी का सहयोग लाभकारी रहेगा. राजकीय कार्यो में यश मिलेगा.

**वृषभ**- सामाजिक क्षेत्र में व्यस्ततायें बढ़ेगी, अभिभावकों से मतभेद संभाव्य है, खरीदी पर खर्च होगा. मित्र वर्ग मदद करेंगे, किया गया प्रयास सफल होगा.

**मिथुन**- व्यवसायिक जगत के अनुकूल चलने की चेष्टा करें, अतः व्यवहारिक बनें, मनोंवांछित सफलता मिलेगी. परिचय क्षेत्र का विस्तार होगा.

**कर्क**- कार्यो में अवरोध से मन अवसादग्रस्त होगा, मधुर वाणी से लाभ होगा, मित्रता उपयोगी रहेगी, आशा से अधिक श्रम करना होगा.

**सिंह**- भूमि भवन के कार्यो में व्यय अधिक होगा, सफलता मिलेगी, दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, नवीन योजना बनेगी. लाभ अच्छा होगा.

**कन्या**- निकट संबंधों की अनदेखी न करें, स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें, मन में प्रसन्नता रहेगी, मांगलिक कार्य पर विचार होगा, आर्थिक प्रवास होगा.

**तुला**- किसी नई कार्ययोजना की ओर केन्द्रित होंगे, नौकरी में वातावरण सुखद रहेगा, मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. सामाजिक कार्यो में यश मिलेगा.

**वृश्चिक**- बुजुर्ग व्यक्ति की चिन्ता रहेगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि, मनोरंजक स्थल की सैर होगी, सुखमय समाचार मिलेगा, अनावश्यक विवादों को टालें.

**धनु**- लेखन, सृजन तथा रचनात्मक कार्यो में गति आयेगी, साहसिक पराक्रम बढ़ेगा, यश मिलेगा. विकास के कार्यो में सफलता, लाभ रहेगा.

**मकर**- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, निराशावादी विचारों का त्याग करें, मित्र बंधुओं के सहयोग से पेंडिंग कार्य बनेंगे, व्यर्थ के विवादों से बचें.

**कुम्भ**- प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा, नई सफलता के आसार बनेंगे, प्रतियोगिता में परिणाम आपके अनुकूल रहेंगे, जिससे आपको हर्ष होगा.

**मीन**- धार्मिक व पारंपरिक कार्यो की ओर मन केन्द्रित होगा, रोजगार में क्षमता का लाभ होगा, रोगी की चिन्ता दूर होगी, अचानक लाभ होगा.

### SUDOKU 7184

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | | | | 3 | |
| | | 9 | | 8 | | 2 | 6 | 4 |
| 1 | | | | 3 | 6 | | 9 | |
| 4 | | 3 | | | | | | |
| | 8 | | | 2 | | | 1 | |
| | | | | | | 8 | | 6 |
| | 4 | | 7 | 5 | | | | 3 |
| 3 | 7 | 5 | | 4 | | 1 | | |
| | 2 | | | | 8 | | | |

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7183

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 4 | 5 | 6 | 1 | 3 | 7 | 2 | 9 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 9 | 5 | 3 | 8 | 1 |
| 9 | 3 | 1 | 7 | 8 | 2 | 6 | 5 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 9 | 6 | 8 | 4 | 3 | 5 |
| 5 | 6 | 9 | 3 | 2 | 4 | 1 | 7 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 5 | 7 | 1 | 9 | 6 | 2 |
| 2 | 9 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 7 | 5 | 9 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 7 |